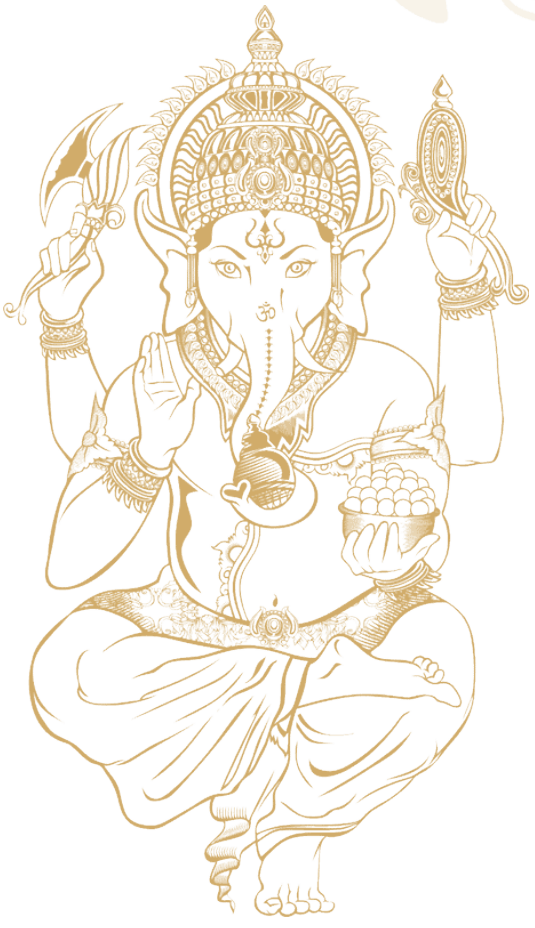

Mr.AJITESH

Ms.POOJA

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120292801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120292801 Date: 24/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/11/1997	जन्म तिथि	25/03/1997
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 11:20:00	जन्म समय	17:55:00 घंटे
घटी 11:09:02	जन्म समय(घटी)	28:55:09 घटी
India	देश	India
Nalagarh	स्थान	Nalagarh
31:03:00 उत्तर	अक्षांश	31:03:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:23	सूर्योदय	06:20:56
17:23:28	सूर्यास्त	18:37:12
23:49:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

मकर	लग्न	कन्या
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
आर्द्रा	नक्षत्र	चित्रा
राहु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	1
साध्य	योग	ध्रुव
बालव	करण	तैतिल
छ-छत्रपति	जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	मूषक

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 1वर्ष 2मा 1दि		02:29:49	मक	लग्न	कन्या	02:46:12	मंगल 5वर्ष 8मा 18दि	
शनि		02:05:47	वृश्चि	सूर्य	मीन	11:04:42	गुरु	
19/01/2015		19:07:59	मिथु	चंद्र	कन्या	25:46:40	12/12/2020	
19/01/2034		12:59:10	धनु	मंगलव	सिंह	29:47:02	12/12/2036	
शनि	22/01/2018	21:15:49	वृश्चि	बुध	मीन	24:30:15	गुरु	30/01/2023
बुध	01/10/2020	20:56:15	मक	गुरु	मक	20:00:04	शनि	12/08/2025
केतु	10/11/2021	18:32:44	धनु	शुक्र	मीन	09:01:51	बुध	18/11/2027
शुक्र	10/01/2025	20:24:40	मीन व	शनि	मीन	15:45:08	केतु	24/10/2028
सूर्य	23/12/2025	23:09:02	सिंह व	राहु व	कन्या	04:55:47	शुक्र	25/06/2031
चन्द्र	24/07/2027	23:09:02	कुंभ व	केतु व	मीन	04:55:47	सूर्य	12/04/2032
मंगल	01/09/2028	11:25:13	मक	हर्ष	मक	13:53:58	चन्द्र	12/08/2033
राहु	09/07/2031	03:47:54	मक	नेप	मक	05:45:29	मंगल	19/07/2034
गुरु	19/01/2034	11:16:25	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:42:10	राहु	12/12/2036

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:33 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:05

लग्न-चलित

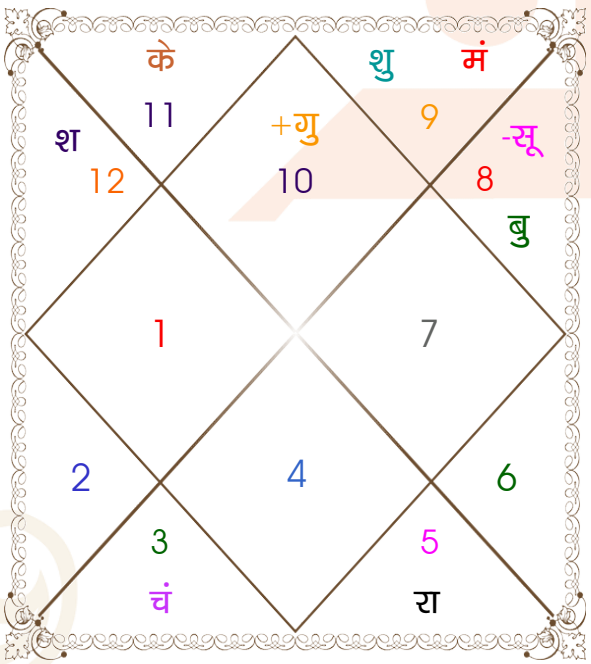

लग्न-चलित

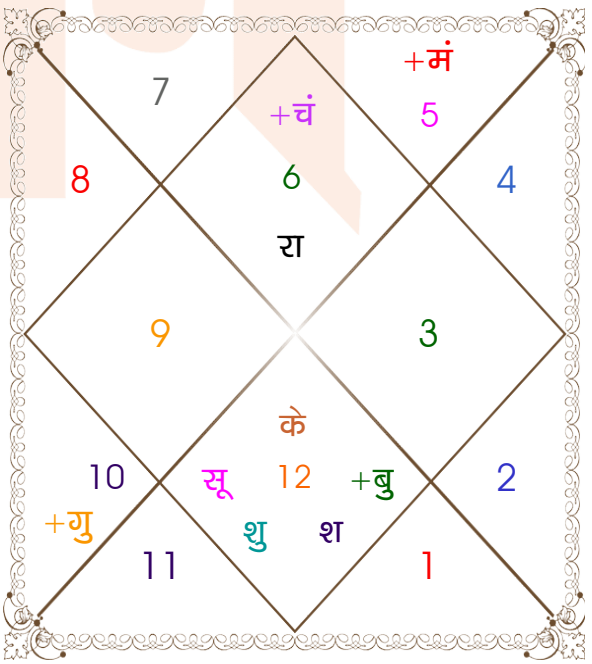

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

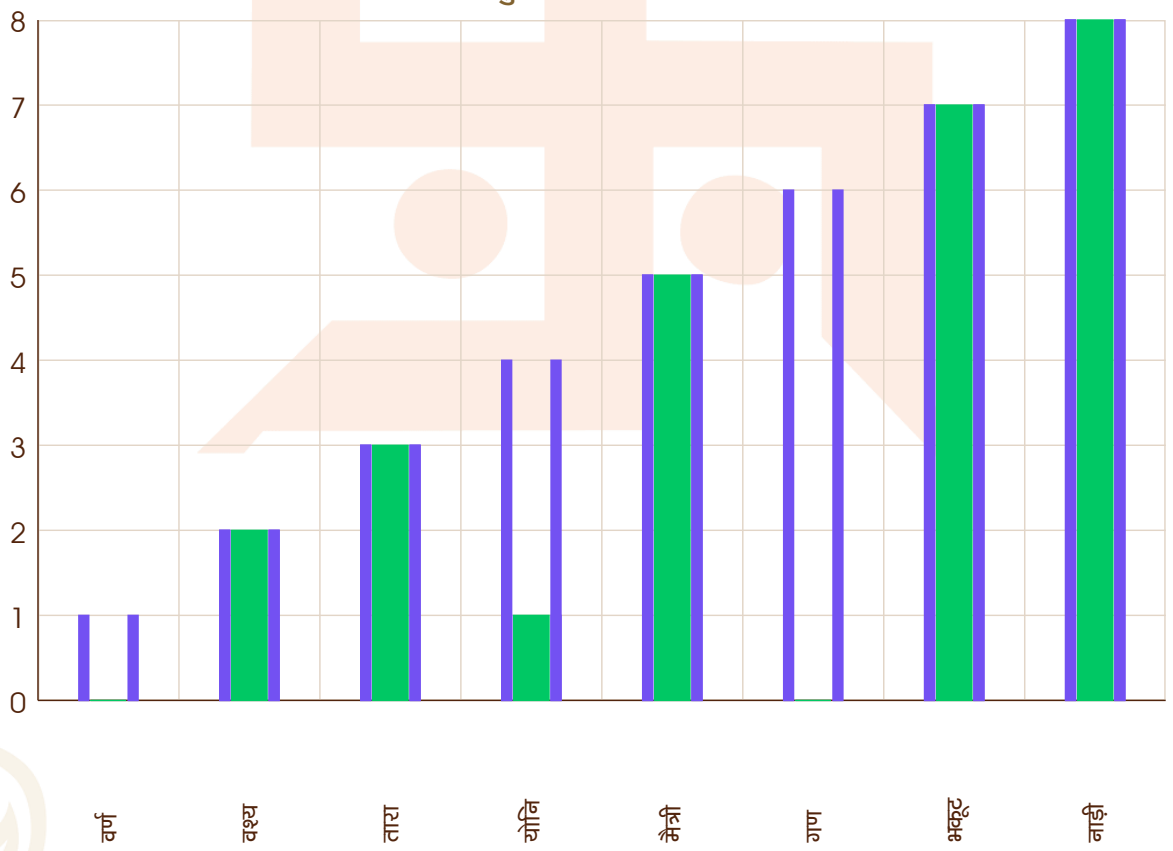

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr.AJITESH का वर्ग सिंह है तथा Ms.POOJA का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.AJITESH और Ms.POOJA का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.AJITESH मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.AJITESH कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.POOJA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.AJITESH कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.AJITESH तथा Ms.POOJA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.AJITESH का वर्ण शूद्र है तथा Ms.POOJA का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Ms.POOJA का वर्ण Mr.AJITESH के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.POOJA अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Ms.POOJA अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Mr.AJITESH का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.POOJA का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.AJITESH एवं Ms.POOJA दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.AJITESH की तारा सम्पत तथा Ms.POOJA की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr.AJITESH एवं Ms.POOJA दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms.POOJA एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr.AJITESH की योनि श्वान है तथा Ms.POOJA की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.AJITESH एवं Ms.POOJA दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.AJITESH एवं Ms.POOJA दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr.AJITESH का गण मनुष्य तथा Ms.POOJA का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.POOJA का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.AJITESH एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr.AJITESH से Ms.POOJA की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Ms.POOJA से Mr.AJITESH की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.AJITESH परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Ms.POOJA घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

Mr.AJITESH की नाड़ी आद्य है तथा Ms.POOJA की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान,

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.AJITESH की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Ms.POOJA की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या राशि है। यद्यपि वायु एवं पृथ्वी तत्व में परस्पर विषमता रहती है परन्तु Ms.POOJA और Mr.AJITESH आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से अपने दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाने में समर्थ रहेंगे। सामान्यतया यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.AJITESH और Ms.POOJA की जन्म राशियों का स्वामी बुध है अतः उत्तम दाम्पत्य सुख के लिए यह स्थिति शुभ मानी जाती है। इसके प्रभाव से Mr.AJITESH और Ms.POOJA में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर अधिकांश समानताएं रहेंगी जिससे परस्पर प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करके वे गुणों से प्रभावित रहेंगे तथा आनंद पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे। वे खान पान में या अन्यत्र भी एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता रहेगी।

Mr.AJITESH और Ms.POOJA की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट होता है। इसके प्रभाव से Mr.AJITESH और Ms.POOJA के मध्य पूर्ण आवेग से प्रेम एवं स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा तथा एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए वे सर्वदा तत्पर रहेंगे। उनमें एक दूसरे के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे आपस में Mr.AJITESH और Ms.POOJA गर्व की अनुभूति करेंगे।

Mr.AJITESH और Ms.POOJA दोनों का वश्य मानव है। अतः दोनों की अभिरूचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता बराबर रहेगी। साथ ही दाम्पत्य सुख में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे Mr.AJITESH और Ms.POOJA का दाम्पत्य जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr.AJITESH का वर्ण शूद्र है। अतः किसी भी प्रकार के कार्य को गम्भीरता तथा ईमानदारी से करने में तत्पर रहेंगे। Ms.POOJA का वर्ण वैश्य होने से धनार्जन के प्रति उनकी रूचि रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार Mr.AJITESH और Ms.POOJA की कार्य क्षमता में अल्प अंतर होते हुए भी इसमें सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Mr.AJITESH की तारा सम्पत तथा Ms.POOJA की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Mr.AJITESH सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms.POOJA के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

Mr.AJITESH और Ms.POOJA को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms.POOJA का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Mr.AJITESH की नाड़ी आद्य तथा Ms.POOJA की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Mr.AJITESH हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Ms.POOJA को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Mr.AJITESH के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Ms.POOJA भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Mr.AJITESH और Ms.POOJA को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति के दृष्टि से Mr.AJITESH एवं Ms.POOJA का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Ms.POOJA का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Ms.POOJA के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.POOJA को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Ms.POOJA सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Mr.AJITESH और Ms.POOJA बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.AJITESH और Ms.POOJA का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.POOJA के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms.POOJA अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms.POOJA पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms.POOJA अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr.AJITESH की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.AJITESH सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.AJITESH ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.AJITESH के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com